श्री अरुण सिंह: मैं थोड़ा ही बोलना चाहता हूँ। आज 15,10,00,000 डीमैट अकाउंट्स खुल गए हैं। यह मैं एक कविता के माध्यम से आपके समक्ष रखना चाहूँगा। प्रधान मंत्री, मोदी जी ने काशी में जो कविता कही थी, केवल उस कविता को कहकर समाप्त करूँगा।

" वह जो सामने मुश्किलों का अंबार है
उसी से तो मेरे हौसलों की मीनार है
चुनौतियों को देखकर घबराना कैसा
इन्हीं में तो छिपी संभावना अपार है।
विकास के यज्ञ में परिश्रम की महक है
यही तो माँ भारती का अनुपम श्रृंगार है
गरीब-अमीर बने नए हिंद की भुजाएं
बदलते भारत की यही तो पुकार है।
देश पहले भी चला और आगे भी बढ़ा,
अब न्यू इंडिया दौड़ने को बेताब है
दौड़ा ही न्यू इंडिया का सरोकार है"

बहुत-बहुत धन्यवाद।"

THE VICE-CHAIRPERSON (MS. KAVITA PATIDAR): Thank you, hon. Member.

SPECIAL MENTIONS

THE VICE-CHAIRPERSON (MS. KAVITA PATIDAR): Now, Special Mentions. Shri Iranna Kadadi; not present. Dr. Fauzia Khan.

Concern over challenges faced by Children of Women Prisoners

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Madam, as on December 31, 2022, 1,537 women prisoners were living with 1,764 children in prisons. Children aged 0-6 years are permitted to live with their mothers in prison, an environment inappropriate for their development due to small spaces, lack of education, healthy meals and immunisation, which negatively impacts their mental and physical growth. The NCPCR Report reported that 62.5 per cent of prisons had creches within the jail, contrary to Supreme Court guidelines mandating these facilities outside. Children above six years are either cared for by relatives or placed in Government or voluntary institutions, often encountering financial difficulties, poor nutrition and vulnerability to illnesses. Irregular visits to imprisoned mothers also harm parent-child relationships.

A major concern is the invisibility of prisoners' children as a group with no department or agency collecting data on them. While they can be covered under the Juvenile Justice Act, 2015 as children in need of care and protection, they are not explicitly recognised in law and policy.The Prison Statistics, India should collect detailed data on prisoners' children, and Child Welfare Committees must ensure their proper care and medical provision. Prisons must provide a suitable environment for children, with amenities like clothing, healthy meals and health facilities. I request that the Government should establish an independent department focused on crime prevention, probation, and rehabilitation of prisoners and their children, staffed by counselors, social workers, and Probation and Welfare Officers.

THE VICE-CHAIRPERSON (MS. KAVITA PATIDAR): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Dr. Fauzia Khan: Dr. John Brittas (Kerala), Shri A.A. Rahim (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri M. Shanmugam (Tamil Nadu) and Shri Haris Beeran (Kerala).

Demand for connecting Shahjahanpur NH 24 to Saurikh via Jalalabad, Farrukhabad, Chhibramau through four-lane to Agra Expressway.

श्री मिथलेश कुमार (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं सदन के माध्यम से सरकार को अवगत कराना चाहता हूं कि शाहजहांपुर एनएच24 से जलालाबाद, फर्रुखाबाद, छिबरामऊ होते हुए सौरीख तक आगरा एक्सप्रेसवे में फोरलेन के माध्यम से जुड़ जाने से शाहजहांपुर और आगरा की दूरी 3 घंटे की रह जाएगी, जिससे इस क्षेत्र को व्यावसायिक गति मिल जाएगी तथा आम जनता को आगरा एक्सप्रेसवे से एनएच24 शाहजहांपुर तक आने जाने के लिए प्रमुख मार्ग बन जाएगा। शाहजहांपुर तथा आगरा उत्तर प्रदेश के व्यावसायिक शहर तथा पर्यटक केंद्र होने के नाते दोनों शहरों के बीच सुगम मार्ग का होना अतिआवश्यक है तथा बीच में फर्रुखाबाद के घटिया घाट पवित्र गंगा नदी आस्था का प्रतीक है, जिसमें श्रद्धालु हर अमावस्या तथा पूर्णिमा में गंगा स्नान करने जाते हैं, जिससे खराब मार्ग का सामना करना पड़ता है।

अतः मैं सदन के माध्यम से माननीय सड़क परिवहन मंत्री जी से आग्रह करना चाहूंगा कि माननीय प्रधान मंत्री जी के व्यावसायिक तथा सांस्कृतिक महत्व के कार्यक्रमों को बढ़ावा देने हेतु दोनों नगरों को जोड़ने से जनहित में शाहजहांपुर एनएच24 से जलालाबाद, फर्रुखाबाद, छिबरामऊ होते हुए सौरीख आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे तक फोरलेन बनवाने हेतु प्राक्कलन मंगवाकर स्वीकृति प्रदान कर बनवाने की कृपा करें, जिससे इस पूरे क्षेत्र को व्यावसायिक तथा कृषि कार्य के साथ-साथ आम जनता को आने जाने में सुविधा मिल सके।